निवेशकों को पैसा ना मिले, इसका षड्यंत्र मुख्यमंत्री गहलोत कर रहे हैं : गजेन्द्र सिंह

'संजीवनी और इस तरह के किसी कॉ-ऑपरेटिव स्कैम में कहीं भी मेरी या मेरे परिवार की कोई लिप्तता थी तो साढे चार साल तक किसका इंतजार किया'

बाड़मेर, (निसं)। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर सीधा आरोप लगाया हैं कि संजीवनी सहित कई कोऑपरेटिव सोसाइटी में निवेशकों के डूबे हुए पैसे वापिस निवेशकों को ना मिले, इसका षड्यंत्र मुख्यमंत्री अशोक गहलोत रच रहे हैं। शेखावत बुधवार को शहर के एक निजी होटल में भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा के बाडमेर पहुंचने पर आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित कर रहे थे।

बाड़मेर में भाजपा की परिवर्तन यात्रा के पहुंचने के दौरान केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने प्रेसवार्ता को संबोधित किया।

- सीएम पर तंज कसते हुए शेखावत ने कहा कि मैं तो जमानत कराने नहीं गया मुख्यमंत्री जी जरूर जमानत कराने के लिए जाने वाले है, आज पेशी है
- भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा बाडमेर पहुंची

शेखावत ने पत्रकारों के एक सवाल के जवाब में कहा कि पहले कॉपरेटिव या चिट फंड कंपनियों के घोटालों की जांच फौजदारी कानून के तहत होती थी। जिसके निस्तारण में वर्षो लग जाते थे और निवेशकों को पैसा भी नही मिलता था। ऐसे में भारत सरकार 2019 में बड्स एक्ट लेकर आई जिसके बाद इस तरह के सभी मामले इसी कानून में दर्ज होते है। अगर कोई सोसाइटी एक राज्य में संचालित हैं तो उसकी जांच के लिए प्रदेश स्तर पर अथॉरिटी बनाई जाती है और अगर सोसाइटी एक से अधिक राज्यों में संचालित है तो उसकी जांच के लिए केस को अनिवार्य रूप से सीबीआई को भेजना होता है। शेखावत ने कहा कि मध्यप्रदेश और गुजरात ने अपने अपने केस सीबीआई को जांच के लिए भेज दिए। लेकिन राजस्थान सरकार ने गजेन्द्र सिंह शेखावत का गला दबाने के लिए केस सीबीआई को नहीं भेजे। अपने राजनीतिक लालच व निवेशकों को पैसा ना मिले और क्योंकि इन सोसाइटी के निदेशक कांग्रेस पार्टी के नेता हैं। इसलिए उन्हें लाभ पहुंचाने के लिए गहलोत निवेशकों के हित में घडयिाली आंसू बहा रहे है और निवेशकों का पैसा ना मिले इसका षडयंत्र कर रहे है। अगर घोटालों के केस सीबीआई को भेजे जाते तो सहारा प्रोर्टल की तरह निवेशकों के पैसे मिलने की प्रक्रिया शुरू हो जाती।

मुख्यमंत्री को घेरते हुए केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि संजीवनी और इस तरह के किसी कॉ-ऑपरेटिव स्कैम मे कहीं भी मेरी या मेरे परिवार की कोई लिप्ता थी तो साढे चार साल तक किसका इंतजार किया। सरकार और पुलिस ने उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नही की, पूछताछ क्यो नही की। शेखावत ने कहा कि राजस्थान में केवल एक नहीं इस तरह की 14 सोसाइटी है जो फेल हुई। लेकिन उन कॉ-ऑपरेटिव सोसाइटी के निवेशकों का दर्द मुख्यमंत्री का दर्द नहीं है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का दर्द यह है कि उनके बेटे को जोधपुर की जनता ने नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए तीन लाख वोटों से पराजित करके भेज दिया। उस पेट के दर्द का इलाज कहीं और करने का प्रयास मुख्यमंत्री कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर संजीवनी में मेरी कहीं लिप्तता होती तो मुझे एक बार नोटिस दे कर बुलाया तो जाता है लेकिन पुलिस ने तो एक बार बुलाकर नहीं कहा कि जांच में सहयोग करे।

शेखावत ने कहा कि किसी एफआईआर, चार्जशीट में मेरा नाम नहीं है। सीएम अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए और अपनी राजनीतिक पराजय को न पचा पाने के कारण अनर्गल टिप्पणियां कर रहे है। उन्होंने कहा कि इस मैं तो अभियुक्त नहीं बना लेकिन मेरी दिवंगत मां पर जब टिप्पणी करने पर मेने मानहानि का मुकदमा दर्ज करवाया। उसमें न्यायालय ने सीएम को अभियुक्त मान लिया। सीएम पर तंज कसते हुए शेखावत ने कहा कि मैं तो जमानत कराने नहीं गया मुख्यमंत्री जी जरूर जमानत कराने के लिए जाने वाले है, आज पेशी है। शेखावत ने कहा कि सीएम ने पट्टा बांधकर कई दिनों तक बचने की कोशिश की।

उदयपुर भाजपा ने संभावित दावेदारों की पहली सूची भेजी

दस दावेदारों के नाम आलाकमान को भेजकर सुर्खियां बटोरी

उदयपुर, (कासं)। राजस्थान विधानसभा चुनाव की आहट के साथ ही स्थानीय राजनीति कुलांचे मारने लगी है और भाजपा और कांग्रेस सहित अन्य पार्टियों में टिकट को लेकर खींचतान भी शुरू हो गई है। उदयपुर सीट पर भाजपा प्रत्याशी का चयन शीर्ष नेतृत्व के लिए बडी चुनौती बन गया है। इसी दौरान में उदयपुर शहर से भाजपा संगठन ने अपने स्तर पर दस दावेदारों के नाम आलाकमान को भेज कर सुर्खियां बटोर ली है।

जानकारी के अनुसार यह लिस्ट बिना पार्टी के मांगे भेजी गई है। जानकारी के अनुसार भाजपा द्वारा प्रदेश या राष्ट्रीय स्तर पर अभी तक विधानसभा चुनाव लिए कोई पर्यवेक्षक नहीं भेजे गए हैं और नहीं किसी बायोडाटा मांगा गया है। पता चला है कि शहर जिला अध्यक्ष रविंद्र श्रीमाली द्वारा जारी शुरुआती लिस्ट में रवींद्र श्रीमाली, प्रमोद सामर, रजनी डांगी, ताराचंद जैन, दिनेश भट्ट, अलका मूंदडा, युधिष्ठिर कुमावत, डॉ जिनेन्द्र शास्त्री, डॉ. किरण जैन, तख्तसिंह शक्तावत के नाम थे, लेकिन जिला प्रभारी बंशीलाल खटीक के आग्रह पर डॉ. चंद्रगुप्त सिंह चौहान का नाम लिस्ट में जोड़ा गया। सबसे चौंकाने वाले घटनाक्रम में शहर जिलाध्यक्ष रविंद्र श्रीमाली द्वारा भेजी गई टॉप 10 भाजपा दावेदारों की लिस्ट में उदयपुर शहर के उपमहापौर पारस सिंघवी का नाम नहीं था, वहीं उदयपुर से अपनी दावेदारी रखने वाले डूंगरपुर के पूर्व सभापति के के गुप्ता का भी नाम सूची से गायब है।

- भाजपा द्वारा प्रदेश या राष्ट्रीय स्तर पर अभी तक विधानसभा चुनाव लिए कोई पर्यवेक्षक नहीं भेजे गए हैं और नहीं किसी बायोडाटा मांगा गया है
- यह लिस्ट बिना पार्टी के मांगे भेजी गई है

शहर जिलाध्यक्ष द्वारा भेजी गई 10 दावेदारों की लिस्ट में कई नाम ऐसे भी थे जो चर्चा में तो थे लेकिन लिस्ट में जोड़े नहीं गए। इन नामों में नानालाल वया, मनोहर चौधरी व अतुल चंडालिया प्रमुख है। खास बात यह है कि भेजी गई लिस्ट में डूंगरपुर नगरपालिका के पूर्व सभापति केके गुप्ता और प्रदीप श्रीमाली के नाम शामिल नहीं है। लिस्ट में 2 ब्राह्मण चेहरे हैं तो 6 जैन समाज से आने वाले चेहरे हैं। एक राजपूत समाज और 1 ओबीसी समाज का चेहरा है, तो वहीं 1 दावेदार वैश्य माहेश्वरी समाज से है।

मैं सैनिक हूं, हर प्रकार के ऑपरेशन के लिए तैयार: कर्नल मानवेंद्र सिंह

राज्य स्तरीय सैनिक कल्याण सलाहकार समिति के अध्यक्ष कर्नल सिंह ने संपर्क यात्रा की

जैसलमेर, (निसं)। राज्य स्तरीय सैनिक कल्याण सलाहकार समिति के अध्यक्ष कर्नल मानवेंद्रसिंह द्वारा जैसलमेर के ग्रामीण क्षेत्रों में संपर्क यात्रा की गई। उन्होंने ग्रामीनों से कहा कि वो एक सैनिक है और सैनिक को हर ऑपरेशन के लिए तैयार रहना पड़ता है।

- रैली में कैबिनेट मंत्री शाले मोहम्मद के भाई और पूर्व प्रधान अमरदीन फकीर भी सक्रिय नजर आए
- रैली में कांग्रेस के जिला संगठन का गायब रहना चर्चा का विषय बना, न तो जिलाध्यक्ष और न ही कोई पदाधिकारी शामिल हुआ

उन्होंने कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में वसुंधरा राजे के सामने झालरापाटन से चुनाव लड़ने के लिए दिल्ली से आलाकमान ने आदेश दिया था। मैं सैनिक हूं मैंने वो आदेश माना। इससे पहले कर्नल मानवेंद्रसिंह का कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। गाड़ियों के काफिले के साथ उनकी रैली में कैबिनेट मंत्री शाले मोहम्मद के भाई और पूर्व प्रधान अमरदीन फकीर भी सक्रिय नजर आए। वहीं कांग्रेस संगठन की गैर मौजूदगी चर्चा का विषय बनी रही।

मानवेंद्रसिंह ने कहा कि जैसलमेर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने के लिए आवेदन किया है। प्रजातंत्र में सभी को चुनाव लड़ने की संवैधानिक व्यवस्था है। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल जैसलमेर से ही टिकट के लिए आवेदन दिया है। पहले यह भी कयास लगाये जा रहे थे कि वह शिव या सिवाना से भी चुनाव लड़ सकते हैं। इस दौरान कर्नल मानवेंद्र सिंह ने जैसलमेर विधानसभा क्षेत्र में जनसंपर्क के दौरान बार-बार दोहराया कि मेरे जैसलमेर से पीढ़ियों के संबंध है। पारिवारिक रिश्तों के साथ मानवीय संबंध मेरी जिंदगी में मायने रखते है। इसलिये मेरा जैसलमेर से विशेष लगाव है।

मानवेंद्रसिंह की रैली का जगह-जगह स्वागत हुआ। जैसलमेर पंचायत समिति प्रधान के पति व कांग्रेस नेता लखसिंह चांधन, भंवरसिंह साधना, पूर्व जिलाध्यक्ष गोविन्द भार्गव, पूर्व सभापति अशोक तंवर उनके साथ रहे। इन सबके बीच कांग्रेस के जिला संगठन का गायब रहना चर्चा का विषय बना हुआ है। न तो जिलाध्यक्ष और न ही कोई पदाधिकारी शामिल हुआ।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सालेह मोहम्मद के भाई व पूर्व प्रधान अमरदीन फकीर ने कहा कि जसवंतसिंह परिवार का बाड़मेर-जैसलमेर के विकास में अहम योगदान है। उन्होंने सभी धर्म-सम्प्रदाय के लिए काम किये हैं। अब इनके अहसानों को उतारने की जिम्मेदारी हम सबकी है। उन्होंने मुस्लिम मतदाताओं से निवेदन किया कि अपने घर के गाड़ी घोड़े खर्च कर इन्हें चुनाव लड़ाना है और जितवाना है।

जानकारी के अनुसार कर्नल मानवेंद्र सिंह और भाजपा के आपसी रिश्तों में तब खटास आना शुरू हुई थी जब 2014 के आम चुनाव में भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने राजस्थान के बाड़मेर से उनके पिता जसवंत सिंह का टिकट काट दिया था। इसके बाद बगावती तेवर अपनाते हुए जसवंत सिंह ने इसी सीट से निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर भाजपा के आधिकारिक उम्मीदवार के खिलाफ चुनाव लड़ा था। उस चुनाव के समय वे बीजेपी से शिव विधानसभा से एमएलए थे। मानवेंद्र सिंह ने जसवंत सिंह के लिए चुनाव प्रचार भी किया था, जिसके बाद भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से उन्हें बर्खास्त कर दिया गया था। शिव विधानसभा सीट से विधायक मानवेंद्रसिंह पूर्व में बाड़मेर-जैसलमेर लोकसभा क्षेत्र से बीजेपी सांसद भी रह चुके हैं। साल 2003 के लोक सभा चुनाव के दौरान उन्होंने वोटों के सबसे ज्यादा अंतर से जीत हासिल करने का रिकॉर्ड भी बनाया था।

शादीशुदा प्रेमी से मिलने बांग्लादेश से अनूपगढ़ आई युवती

टूरिस्ट वीजा लेकर 2200 किमी का सफर किया

अनूपगढ़, (निसं)। बांग्लादेश की राजधानी ढाका से एक युवती अपने शादीशुदा प्रेमी से मिलने राजस्थान के अनूपगढ़ पहुंच गई। छह महीने पहले दोनों की दोस्ती सोशल मीडिया ऐप से हुई थी। युवती ने प्रेमी से मिलने के लिए करीब 2200 किमी का सफर तय किया। वह टूरिस्ट वीजा लेकर यहां पहुंची है।

- शादीशुदा प्रेमी की पत्नी से बोली कि दोनों साथ रह लेंगे
- दोनों प्रेमी-प्रेमिका को थाने में रखा गया है पूछताछ की जा रही है

रावला (अनूपगढ़) थाना अधिकारी रमेश कुमार ने बताया कि उम्मे हबीबा उर्फ हनी (30) के पास टूरिस्ट वीजा मिला है। उसके पास से 2000 बांग्लादेशी मुद्रा (टका) भी मिली है। उम्मे अनूपगढ़ के रावला मंडी के गांव 13 डीओएल के रहने वाले रोशन सिंह (27) पुत्र हंसा सिंह से मिलने आई है। दोनों प्रेमी-प्रेमिका को थाने में रखा गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है।

स्थानीय पंचायत समिति सदस्य के पति गोपी भूकर ने बताया कि बांग्लादेशी उम्मे हबीबा की दोस्ती हमारे गांव के रोशन से 6 महीने पहले 'याला वॉइस चैट' के माध्यम से हुई थी। दोस्ती प्यार में बदल गई। दोनों के बीच वीडियो कॉल पर भी बातें होती थीं। अपना प्यार पाने उम्मे हबीबा बांग्लादेश से भारत आई है। 3 सितंबर की सुबह हबीबा बीकानेर रेलवे स्टेशन पहुंची थी। रोशन उसे लेने बीकानेर पहुंचा। हबीबा 2 दिन रोशन के घर पर रही। किसी ने इसकी सूचना रावला थाने में दे दी। सूचना मिलने पर पुलिस ने उम्मे हबीबा और रोशन को थाने में बुलाकर पूछताछ शुरू कर दी है। रोशन की बहन संतोष कौर (31) ने बताया कि हबीबा 3 सितंबर की शाम को घर आ गई थी। वह ढाका से कोलकाता के रास्ते दिल्ली होते हुए बीकानेर पहुंची है।

रोशन की मां कृष्णा बाई ने बताया कि रोशन की शादी 2 साल पहले रोजड़ी क्षेत्र की रहने वाली सोमा बाई के साथ हो चुकी है। रोशन के 7 महीने का बेटा भी है। सोमा बाई 3 सितंबर को सुबह सिरसा में पूजा में शामिल होने के लिए गई हुई है। रविवार को हबीबा घर आई। वह हिंदी में बात कर रही थी। उसे पंजाबी भाषा समझ में नहीं आती। हबीबा वापस बांग्लादेश नहीं जाना चाहती। वह भारत में ही रहना चाहती है। हबीबा ने रोशन के परिजनों को बताया था कि बांग्लादेश से आने के कारण उसकी बदनामी हो गई है। उसने बताया कि वह ढाका की रहने वाली है।

रोशन की बहन संतोष कौर बोली कि हम तो चाहते हैं कि वह वापस चली जाए। हम भाई का घर बसा हुआ देखना चाहते हैं। हबीबा कहती है कि मैं वापस नहीं जाऊंगी। उसके पास 6 महीने का वैलिड वीजा है। अब वह वीजा पूरा होने के बाद ही जाएगी। संतोष कौर ने बताया कि हबीबा ने उन्हें बताया था कि उसके पांच भाई और एक बहन है। वह छठे नंबर की है। हबीबा के भाई मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं।

हबीबा ने रोशन की पत्नी सोमा से फोन पर बात की। उसने सोमा से कहा कि हम दोनों साथ रहेंगे। मैं यहां कोई गलत इरादे से नहीं आई हूं। मगर सोमा बाई ने उसे साफ-साफ शब्दों में कह दिया कि तुम यहां से वापस अपने देश चली जाओ। रोशन की मां ने बताया कि रोशन और उसका छोटा भाई मलकीत मजदूरी करते हैं। वह खुद नरेगा में कार्य करती है। रोशन के पिता की मौत लगभग 1 साल पहले बीमारी के कारण हो चुकी है। रोशन केवल चौथी कक्षा तक पढ़ा हुआ है। वह भोला है। रोशन की बहनों और उसकी मां ने मीडिया और प्रशासन से अपील की है कि वह हबीबा को यहां नहीं रखना चाहते हैं। इसलिए प्रशासन और सरकार उसे वापस बांग्लादेश भेज दे।

मौके पर पहुंचे पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि गोपी राम भूकर ने बताया कि एक बांग्लादेशी युवती की गांव में आने की सूचना मिलने पर प्रशासन को तत्काल अवगत करा दिया गया था। इस मामले में उनके व ग्रामीणों के द्वारा प्रशासन का सहयोग किया जाएगा। किसी भी तरह से इस बांग्लादेशी युवती को वापस उसके देश भेजने का प्रयास किया जाएगा।

पुलिस और डकैतों के बीच हुई मुठभेड

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर जिले में मंगलवार रात्रि को चंदील पुरा के बीहड़ों में पुलिस और डकैतों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की इस मुठभेड़ में एक डकैत के पैर में गोली लग गई, वहीं दो डकैत घायल हो गए। अन्य डकैत अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गए।

जहां सभी डकैतों को कैदी वार्ड में शिफ्ट किया गया है। पुलिस ने डकैतों के पास से अवैध हथियार भी बरामद किए हैं। इन तीनों बदमाशों पर 10-10 हजार रुपये का ईनाम भी घोषित है। इन तीनों डकैतों के खिलाफ धौलपुर समेत मध्य प्रदेश में संगीन धाराओं में केस दर्ज हैं। पुलिस ने इन पर पहले से ही इनाम घोषित कर रखे थे। वहीं धौलपुर के चंदील पुरा के जंगलों में देर रात पुलिस की टीम को डकैतों के छुपे होने की सूचना मिली। इसके साथ ही पुलिस ने डकैतों की घेराबंदी की। जब डकैतों ने खुद को पुलिस से घिरा हुआ पाया तो उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। जिसके जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायरिंग शुरू कर दी।

बाड़ी सदर थाना प्रभारी विजय सिंह छोंकर ने बताया कि पुलिस की इस फायरिंग में एक डकैत के पैर पर गोली लग गई। जबकि अन्य दो लोग घायल हो गए। वहीं पुलिस ने डकैतों के पास से 2 पचफेरा राइफल और 128 जिंदा कारतूस भी बरामद किये हैं। सभी घायलों को पुलिस ने जिला अस्पताल धौलपुर में भर्ती करवाया है। एडिनशल एसपी एडीएफ देवेंद्र सिंह राजावत ने बताया कि चारों तरफ से घिरा देखकर डकैतों ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने जब जवाबी फायरिंग की तो मडोना निवासी डकैत रामलखन गुर्जर के पैर में गोली लगी, जबकि उसके दो साथी पप्पू और राजेन्द्र गुर्जर भी घायल हो गए। तीनों डकैतों को हिरासत में ले लिया और घायल हालत में तीनों बदमाशों को जिला अस्पताल धौलपुर में भर्ती कराया गया है।

बंदी का शव मिला

चूरू, (कासं)। चूरू जिला कारागृह में उस समय हडकंप मच गया जब एक बेरिक संख्या चार में पोक्सो के आरोप में विचाराधीन 23 वर्षीय एक बंदी का शव मिला। बंदी का शव जेल कार्यालय के पास बाथरुम में तोलिये से लटका हुआ पाया गया। जिला कारागृह के जेलर कैलाश सिंह शेखावत से मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को पोक्सो में विचाराधीन बंदी 23 वर्ष प्रभुराम मेघवाल का शव मिला। वह पिछले तीन महिने से यहां पर बंद था।

चूरू में मूसलाधार बारिश हुई

चूरू में 17.8 एम.एम बारिश दर्ज, कई इलाके जलमग्न

चूरू में लंबे समय बाद आयी मूसलाधार बारिश से शहर के अनेक स्थानों पर पानी भर गया।

चूरू, (कासं)। चूरू में लंबे इंतजार के बाद आयी मूसलाधार बारिश ने मौसम को खुशगवार बना दिया। वहीं शहर के अनेक इलाकों में पानी ही पानी नजर आने लगा।

मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को यहां का अधिकतम 39.0 व न्यूनतम 27.5 डिग्री सेल्सियस तथा 17.8 एम.एम बारिश रिकॉर्ड की गई। बुधवार दोपहर में करीब दो बजे बाद अचानक धूप निकलने के बावजूद बोछारें शुरु हो गयी जो कि शाम को करीब साढ़े चार बजे तक लगातार होती रही। छोटी मोटी बोछारों ने कुछ देर बाद मूसलाधार बारिश का रुप ले लिया। बारिश के साथ तेज हवा भी चल रही थी। बारिश को लेकर यहां पर काफी लंबे समय से इंतजार किया जा रहा था। करीब सवा माह बाद आज अचानक बारिश का दौर चला। शाम को बारिश रुकने के बाद भी आसमान में बादलों की आवाजाही बनी रही। बारिश के अभाव में किसानों की फसलें खराब होने के कगार पर पहुंच गयी। अधिकांश फसलें पीली पड़ गयी।

पूरा दूसरा सावन यहां पर सूखा निकल गया। एक बूंद भी बारिश की नहीं आने से फसलों को काफी नुकसान हुआ। बारिश के बाद शहर के स्टेशन रोड़, सुभाष चौक, नेत्र चिकित्सालय, चांदनी चौक, झारिया मोरी सहित अनेक इलाके पूरी तरह से जलमग्न हो गये। जिससे लोगों का आने जाने में काफी परेशानी उठानी पड़ी लेकिन बारिश के आने से तेज गर्मी व उमस से निजात मिल गई। यहां पर काफी लंबे समय से लोग दिनभर तेज गर्मी का सामना कर रहे थे। दिनभर तेज गर्मी और रात को मौसम में हल्की ठंडक का माहौल बना हुआ था।

एक करोड़ रुपए की पंजाब निर्मित अंग्रेजी शराब पकड़ी, एक हिरासत में

पुलिस ने ब्लगर टैंकर के चालक को हिरासत में लिया।

अंग्रेजी शराब से भरा सीमेंट का ब्लगर टैंकर।

पाली, (निसं)। पाली ट्रांसपोर्ट नगर थाना पुलिस ने मंगलवार को देर रात कार्रवाई करते हुए अंग्रेजी शराब से भरा सीमेंट का ब्लगर टैंकर पकड़ा। जिसमें करीब एक करोड़ रुपए की पंजाब निर्मित अंग्रेजी शराब भरी हुई थी। मामले में पुलिस ने शराब से भरा ब्लगर टैंकर जब्त किया जिसमें करीब 800 पंजाब निर्मित शराब कार्टन मिले हैं। जिसकी बाजार कीमत करीब एक करोड़ है। मामले में पुलिस ने आरोपी ड्राइवर को हिरासत में लिया है।

मुखबिर की सूचना पर ट्रांसपोर्ट नगर थाना पुलिस ने मंगलवार देर रात 2 बजे थाने के बाहर ओवरब्रिज के नीचे नाकाबंदी की। मुखबिर से मिले सूचना के आधार पर जैसे ही सीमेंट का ब्लगर टैंकर सोजत से पाली की तरफ आता दिखा तो उसे रोका। टैंकर में सीमेंट पाउडर भरा होने की बात ड्राइवर ने पुलिस से की लेकिन पुलिस ने जांच की तो उसमें शराब के कार्टून भरे नजर आए। इस पर टैंकर को जब्त कर रात को ही ट्रांसपोर्ट नगर थाने लाया गया और मामले में आरोपी ड्राइवर को हिरासत में लिया। पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ड्राइवर पंजाब निर्मित शराब गुजरात सप्लाई के लिए ले जा रहा था। टैंकर में करीब 800 कार्टन शराब भरी हुई है। पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि इस कारवाई में साइबर एक्पर्ट जस्साराम कुमावत व रामनिवास जाट की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

- टैंकर में सीमेंट पाउडर भरा होने की बात ड्राइवर ने पुलिस को बताई